सामाजिक आर्थिक एवं राजनीतिक जीवन

भाग–3

कक्षा–8

(राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार द्वारा विकसित)
बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना

Developed by: ABSOL www.absol.in

निदेशक (प्राथमिक शिक्षा), शिक्षा विभाग, बिहार सरकार द्वारा स्वीकृत।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार, पटना के सौजन्य से सम्पूर्ण बिहार राज्य के निमित्त।

सर्व शिक्षा अभियान कार्यक्रम के अन्तर्गत
पाठ्य-पुस्तकों का निःशुल्क वितरण।
क्रय-विक्रय दण्डनीय अपराध।

© बिहार स्टेट टक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना

सर्व शिक्षा अभियान : 2015-16 - 19,90,732

बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, बुद्ध मार्ग, पटना – 800 001 द्वारा प्रकाशित तथा **क्लिक डीजिटल, इलाहीबाग, पटना** द्वारा एच॰पी॰सी॰ के 70 जी॰एस॰एम॰, क्रीम वोभ टेक्स्ट पेपर (वाटर मार्क) तथा एच॰पी॰सी॰ के 130 जी॰एस॰एम॰ ह्वाईट (वाटर मार्क) आवरण पेपर पर कुल **19,90,732** प्रतियाँ 24x18 से॰मी॰ साईज में मुद्रित।

प्राक्कथन

शिक्षा विभाग, बिहार सरकार के निर्णयानुसार अप्रैल, 2009 से प्रथम चरण में राज्य के कक्षा IX हेतु नए पाठ्यक्रम को लागू किया गया । इस क्रम में शैक्षिक सत्र 2010–11 के लिए वर्ग I, III, VI एवं X की सभी भाषायें एवं गैर भाषायें पाठ्य पुस्तकें नए पाठ्यक्रम के अनुरूप लागू की गयीं। इस नए पाठ्यक्रम के आलोक में एन0सी0ई0आर0टी0, नई दिल्ली द्वारा विकसित वर्ग X की गणित एवं विज्ञान तथा एस0सी0ई0आर0टी0, बिहार,पटना द्वारा विकसित वर्ग I, III, VI एवं X की सभी अन्य भाषायी एवं गैर भाषायी पुस्तकें बिहार राज्य पाठ्य-पुस्तक निगम द्वारा आवरण चित्रण कर मुद्रित की गयीं इस सिलसिले की कड़ी को आगे बढ़ाते हुए शैक्षिक सत्र 2011–12 के लिए वर्ग–II, IV एवं VII तथा शैक्षिक सत्र 2012–13 के लिए वर्ग V एवं VIII की नई पाठ्य पुस्तकें बिहार राज्य के छात्र/छात्राओं के लिए उपलब्ध करायी गयीं। साथ-ही-साथ वर्ग I से VIII तक की पुस्तकों का नया परिमार्जित रूप शैक्षिक सत्र 2013–14 से एस0सी0ई0आर0टी0, बिहार, पटना के सौजन्य से प्रस्तुत किया गया।

बिहार राज्य में विद्यालयीय शिक्षा के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए माननीय मुख्यमंत्री, बिहार, श्री जीतन राम मांझी, शिक्षा मंत्री, श्री वृशिण पटेल एवं शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव, श्री आर. एस. महाजन के मार्ग दर्शन के प्रति हम हृदय से कृतज्ञ हैं।

एन0सी0ई0आर0टी0, नई दिल्ली तथा एस0सी0ई0आर0टी0, बिहार, पटना के निदेशक के भी हम आभारी हैं जिन्होंने अपना सहयोग प्रदान किया।

बिहार राज्य पाठ्य-पुस्तक प्रकाशन निगम छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों, शिक्षाविदों की टिप्पणियों एवं सुझावों का सदैव स्वागत करेगा, जिससे बिहार राज्य को देश के शिक्षा जगत में उच्चतम स्थान दिलाने में हमारा प्रयास सहायक सिद्ध हो सके।

दिलीप कुमार, भा.प्र.से.
प्रबन्ध निदेशक
बिहार राज्य पाठ्य-पुस्तक प्रकाशन निगम लि०

मिशन मानव विकास

शिक्षा का उद्देश्य किताबी शैक्षिक ज्ञान के साथ बच्चे/छात्र छात्राओं का सर्वांगीण विकास करना है। इसके साथ साथ स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता, शुद्ध पेयजल, सामाजिक न्याय, महिला सशक्तिकरण, महादलित अतिपिछड़ा अल्पसंख्यक वर्ग के लिए विशेष पहल से ही हमारे समाज के परिपेक्ष्य में पूर्ण मानव विकास सम्भव है। हमारे विद्यालय इस सामाजिक परिवर्तन प्रयास का केन्द्र बनेंगे तथा बच्चे परिवर्तन के सिपाही। वस्तुत: विद्यालय को ज्ञान,कौशल और जीवन की शिक्षा के साथ साथ सामाजिक परिवर्तन का केन्द्र बनाकर '**मिशन मानव विकास**' सफल होगा।

अत: **मिशन मानव विकास** में निम्नलिखित संदेश घर घर जन जन तक पहुँचाना आवश्यक है

1. बच्चे नियमित रूप से विद्यालय में जीवन की शिक्षा हासिल करें।
2. लड़कियों की शादी 18 वर्ष से कम उम्र में नहीं की जाए। किशोरी बालिकाओं में विशेष रूप से खून की कमी दूर की जाए।
3. नई पीढ़ी स्वास्थ्य गारण्टी कार्यक्रम के अधीन 0–14 वर्ष के सभी बालक तथा 0–18 वर्ष के सभी बालिकाओं का नियमित आंशिक स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार सुनिश्चित की जाए।
4. हर गाँव/टोला/मुहल्ला/बस्ती में स्वच्छता अभियान चलाये जाए। कूड़ा और गन्दगी दूर भगाया जाए। खुले में शौच की जगह घर घर उपयोगी शौचालय निर्माण हो।
5. स्वच्छ पेयजल और स्वच्छता से ही बीमारियों पर काबू पाया जा सकता है
6. सभी नवजात शिशु को जन्म लेते माँ का दूध दिया जाए तथा छ: महीने तक केवल माँ का दूध ही दिया जाए। इससे कुपोषण में कमी आयेगी।
7. बच्चों की बीमारियों का उपचार सरलता से और ससमय उपलब्ध हो।
8. आँगनवाड़ी केन्द्रों के माध्यम से विशेष रूप से 0-3 वर्ष के बच्चों का नियमित वजन, ऊँचाई इत्यादि लेने की व्यवस्था हो
9. महादलित, अल्पसंख्यक तथा अतिपिछड़ा वर्ग की महिलाओं के लिए साक्षरता कार्यक्रम विद्यालय परिसर में संचालित हो।
10. बच्चों द्वारा घर घर सर्वेक्षण करा कर तम्बाकू सेवन और मदिरापान में कमी लायी जाए।
11. पौधा लगाने तथा पर्यावरण संतुलन बनाये रखने के लिए बच्चों के माध्यम से सामाजिक संदेश घर घर तक पहुँचायें।
12. बच्चों को नियमित खेल कूद, योग, ध्यान जैसे क्रियाओं को प्रोत्साहित किया जाए
13. बालिकाओं को उच्च माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाए तथा हर ग्राम पंचायत में ऐसे शिक्षण की व्यवस्था हो
14. हुनर और कौशल विकास के साथ साथ महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से विकास हो।

विद्यालय को मिशन मानव विकास का केन्द्र बिन्दु बनाने हेतु विद्यालय में मिशन मानव विकास कॉर्नर स्थापित किया जाए। इसमें बच्चों द्वारा मानव विकास की प्राथमिकताओं को दर्शाने हेतु विभिन्न माध्यमों, यथा पोस्टर, चित्र, माडल निर्माण आदि का उपयोग हो। अन्तर विद्यालय प्रतियोगिता कर श्रेष्ठ मिशन मानव विकास कॉर्नर को पुरस्कृत करने की व्यवस्था भी की जाए।

दिशाबोध–सह–पाठ्यपुस्तक विकास समन्वय समिति

- **श्री राहुल सिंह,** राज्य परियोजना निदेशक, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना
- **श्री रामशरणागत सिंह,** संयुक्त निदेशक, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार
- **श्री अमित कुमार,** सहायक निदेशक, प्राथमिक शिक्षा निदेशालय, बिहार
- **श्री हसन वारिस,** निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी., पटना
- **श्री मधुसूदन पासवान,** कार्यक्रम पदाधिकारी, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना
- **डॉ. एस.ए. मुईन,** विभागाध्यक्ष एस.सी.ई.आर.टी., पटना
- **डॉ. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी,** प्राचार्य मैत्रेय कॉलेज ऑफ एजुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर

पाठ्यपुस्तक विकास समिति

लेखक सदस्य:

- **श्रीमती पुष्पिका प्रसाद,** व्याख्याता, पी.टी.ई.सी. बाढ़, पटना।
- **श्री विजय कुमार सिंह,** शिक्षक, एफ.एन.एस. एकेडमी, पटना।
- **श्री कात्यायन कुमार त्रिपाठी,** शिक्षक, प्राथमिक विद्यालय चैलीटाल, गुलज़ारबाग, पटना।
- **श्री ओमप्रकाश, शिक्षक,** धनेश्वरी देवनन्दन कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय, दानापुर, पटना।
- **श्रीमती नाहिदा प्रवीण,** शिक्षिका, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, खतरी, मोतीपुर, मुजफ्फरपुर।
- **श्री आशीष कुमार,** शिक्षक, उच्च विद्यालय बीर ओईयारा, पटना।
- **श्री त्रिपुरारी कुमार,** शिक्षक, मध्य विद्यालय बड़का डुमरा, आरा मुफस्सिल, भोजपुर।
- **श्री आफताब आलम,** शिक्षक, मध्य विद्यालय सारंगपुर, भोजपुर।
- **श्री विकास कुमार राय,** शिक्षक, प्राथमिक विद्यालय श्रीकान्तपुर, राजपुर, बक्सर।
- **श्री प्रवीण कुमार,** शिक्षक, मध्य विद्यालय खोनहा, सत्तरकटैया, सहरसा।

विषय विशेषज्ञ:

- **श्री अरविन्द सस्दाना एकलव्य,** शैक्षिक शोध एवं नवाचार संस्थान (म.प्र.)
- **सुश्री दिशा नवानी,** टी.आई.एस.एस., मुम्बई
- **श्री राममूर्ति,** हिन्दी हेडमास्टर, शा. हाईस्कूल करकुर, तहसील डेरा बसई– 2 ज़िला एस.ए.एस. नगर पंजाब

चित्रांकन एवं डिज़ाइन:

- **सुश्री बोस्की चैन,** एकलव्य, भोपाल
- **सुश्री इन्दु श्रीकुमार,** एकलव्य, भोपाल

समन्वयक:

- **डॉ. गीता राय,** व्याख्याता, एस.सी.ई.आर.टी. बिहार, पटना

समीक्षक:

- **डॉ. परमानन्द सिंह,** शिक्षक, स्टूडेन्ट साइंटिफिक हाई स्कूल, पटना
- **डॉ. विनय कुमार सिंह,** एसोसिएट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग, एस.एम.डी. कॉलेज, पुनपुन, पटना

आभार : यूनिसेफ, बिहार

आमुख

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा– 2005 में दिये गये निर्देशों एवं बिहार पाठ्यचर्या की रूपरेखा–2008 के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत पुस्तक–सामाजिक आर्थिक एवं राजनितिक जीवन भाग–3 विकसित की गई है। पुस्तक दिये गये पाठ्यक्रम के अनुरूप चरणबद्ध कार्यशालाएं आयोजित करके विभिन्न शिक्षकों, विषय–विशेषज्ञों एवं साधनसेवियों की देख–रेख में तैयार की गई है। पुस्तक निर्माण के क्रम में यह ध्यान रखा गया है कि बच्चों में खोजी प्रवृत्ति तथा मुद्दों को समझने की क्षमता और कौशलों का विकास हो। साथ ही साथ उनमें तथ्यों की अवधारणात्मक समझ विकसित हो। पुस्तक में यह प्रयास किया गया है कि पूर्व की कक्षाओं की विविधता, समानता जैसी अवधारणाओं के आधार पर आठवें वर्ग में सामाजिक न्याय की पहलुओं पर समझ बनाई जा सके। लोकतंत्र के इन आधारों की विवेचना करते वक्त यह भी ध्यान में रखा गया है कि भारत की सामाजिक संरचना में लोकतंत्र के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक पहलुओं में किस प्रकार सामंजस्य बनता है। इसे भी उभारा जाए। सामाजिक न्याय के बिन्दुओं के इर्द–गिर्द लोकतांत्रिक संस्थाएं किस प्रकार समाज की अपेक्षाओं को पूरी करती हैं, इस पर भी चर्चा हो। जहां एक ओर सहकारिता के माध्यम से सामाजिक सहयोग की बात बतायी गयी है वहीं दूसरी ओर सरकार द्वारा दी गयी खाद्य सुरक्षा के माध्यम से सामाजिक न्याय की प्रक्रियाओं पर प्रकाश डाला गया है। पुस्तक में प्रयास किया गया है कि सभी इकाई रोचक हों तथा बच्चों के दैनिक जीवन के अनुभवों से जुड़े प्रतीत हों। पुस्तक लेखन में यह शैली पुस्तक अध्ययन के प्रति बच्चों को उन्मुख और जिज्ञासु बनाने की एक कोशिश है। बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण से सामाजिक मुद्दों को समझने का विकास करना भी पुस्तक का अभीष्ट लक्ष्य है।

पुस्तक में यह भी प्रयास किया गया है कि उपयुक्त स्थानों पर अभ्यास और गतिविधियों का भरपूर समावेश हो। बॉक्स में सुसंगत और सटीक बिन्दुओं पर प्रश्न और जिज्ञासा द्वारा अनुप्रयोगों के विकास की भी कोशिश की गयी है।

इस पाठ्यपुस्तक को तैयार करने में बिहार शिक्षा परियोजना परिषद् एवं यूनिसेफ का सराहनीय योगदान रहा है। पाठ्यपुस्तक की पांडुलिपि राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, पटना के संकाय सदस्यों, विषय विशेषज्ञों, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, दिल्ली के साधनसेवियों, विद्या भवन सोसाइटी उदयपुर एवं एकलव्य, भोपाल के साथ गहन विचार विमर्श कर बना है। पुस्तक के लेखकगण, विषय–विशेषज्ञ, समन्वयक, समीक्षक, चित्रकार, डिज़ाइनर एवं एस.सी.ई.आर.टी. का अध्यापक शिक्षा विभाग विशेष रूप से बधाई के पात्र हैं जिनके अथक प्रयत्न के फलस्वरूप पुस्तक इस स्वरूप में उभरकर आ सकी है।

अन्त में सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं शिक्षाविदों से आग्रह है कि

इसन वारिस
निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी. बिहार, पटना

Developed by: ABSOL www.absol.in

विषय सूची

क्र संख्या	अध्याय का शीर्षक	पृष्ठ संख्या
1.	भारतीय संविधान	1
2.	धर्मनिरपेक्षता और मौलिक अधिकार	15
3.	संसदीय सरकार (लोग व उनके प्रतिनिधि)	27
4.	कानून की समझ	38
5.	न्यायपालिका	48
6.	न्यायिक प्रक्रिया	57
7.	सहकारिता	68

'पर्यावरण एवं वन विभाग, बिहार सरकार'

बिहार पृथ्वी दिवस (9 अगस्त) के अवसर पर 11 सूत्री संकल्प ।

मैं संकल्प लेता / लेती हूँ कि

1. पृथ्वी के संरक्षण तथा पर्यावरण संतुलन को बनाये रखने के लिए सदैव कार्य करूँगा / करूँगी ।
2. वर्ष में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाऊँगा, इसे बचाऊँगा तथा पेड़ पौधों के संरक्षण में सहयोग करूँगा ।
3. तालाब, नदी एवं पोखर आदि को प्रदूषित नहीं करूँगा ।
4. जल का दुरुपयोग नहीं होने दूँगा एवं इस्तेमाल के तुरंत बाद सावधानीपूर्वक नल को बंद करूँगा ।
5. बिजली का अनावश्यक उपयोग नहीं करूँगा तथा आवश्यकता नहीं रहने पर बिजली के बल्ब, पंखे एवं अन्य उपकरणों को बंद रखूँगा ।
6. कूड़ा-कचरा को निर्धारित स्थानों पर रखे डस्टबिन में डालूँगा तथा अन्य लोगों से भी इसके लिए अनुरोध करूँगा
7. अपने घर तथा स्कूल को साफ रखूँगा ।
8. प्लास्टिक / पॉलीथीन का उपयोग बंद कर इसके स्थान पर कपड़े या कागज के बने झोलों थैलों का उपयोग करूँगा
9. पशु पक्षियों के प्रति दया का भाव रखूँगा ।
10. नजदीक के कार्यों के लिए साइकिल का उपयोग करूँगा अथवा पैदल जाऊँगा ।
11. आवश्यकतानुसार कागज का उपयोग करूँगा तथा इसका दुरुपयोग नहीं होने दूँगा ।